

श्रीमान्
श्रीमान्
श्रीमान्

पुला या पारदर्शी या प्रमाणित या

पुला या पारदर्शी या प्रमाणित या

यथा मा-मुक्तिवत गीत...
काय की...
अतः पत्रावली दिनांक 12-6-2020 को बना है।

10/7
यथा मा-मुक्तिवत गीत...
काय की...
अतः पत्रावली दिनांक 10-7-20 को बना है।

10/7
यथा मा-मुक्तिवत गीत...
काय की...
अतः पत्रावली दिनांक 10-7-20 को बना है।

पत्रावली पैरा हुई, अभिभावकपण द्वारा
व्यक्तिक कार्य रक्षण/वहिकार रखने
से पत्रावली दिनांक को पैरा है।

21/8
पत्रावली पैरा हुई, वकील प्रार्थी उपस्थित। वकील
प्रार्थिया ने बहस करनी चाही। वकील प्रार्थिया की
बहस सुनी गई, वकील प्रार्थिया ने बहस के दौरान
प्रार्थना पत्र में अंकित तथ्य दर्शाये जो कि आधा र
पर प्रार्थना पत्र स्वीकार किये जाने की वरतुद्धा
की।

पैरा पत्रावली का आवलोकन किया तथा वकील
प्रार्थिया की बहस पर मनन किया तथा तल्लीनकर
आपल की भाँका खिचिट पर अध्ययन किया।
विवादिन द्वारा जियान-भाँसा निम्नानुरा पुरवार हका
आलमास तहसील कायल से रिपता होकर आराडी
नं. 349, 347, 342, 343, 344, 345, 346 कुल जिन
07 कुल खण्ड 05 बीघा 10 मितवा रिपत है।

उपखण्ड अधिकारी
श्रीमान् श्रीमान् श्रीमान्

2
श्रीमान्
श्रीमान्
श्रीमान्



तारीख
हुकम

हुकम या कार्यवाही नमूने शुभेच्छायात् जज

नम्बर
अधिकारी
हुकम
नं

जो वर्तमान में राजस्व रिकॉर्ड में प्रार्थी एवं विपक्षी
सं. 1 एवं श्रीमती चोधी गोवा मोगीलाल, हीरालाल पिता
मोगीलाल के नाम सम्बन्धित सख्ततावेदार एक से दर्ज
रिकॉर्ड हैं। उक्त आराजियात के राजस्व रिकॉर्ड में
प्रार्थी के पिता मोगीलाल पिता बरदा सुपार के नाम
पर दर्ज थी तथा प्रार्थी के पिता मोगीलाल पिता बरदा
सुपार की मल्लु के उपरान्त उक्त आराजियात का किरासा
से नामान्तरण सं. 215 दिनांक 20.12.2011 को खोला
गया। मोगीलाल पिता बरदा सुपार के दो पुत्र प्रार्थी
व विपक्षी सं. 01 ही हैं किन्तु राजस्व सूचियांरियों
में उक्त आराजियात का नामान्तरण खोलते वक्त
जाजली से हीरालाल पिता मोगीलाल का नाम अंजित
कर दिया, जब कि हीरालाल पिता मोगीलाल के नाम का
कोई पुत्र मोगीलाल के नहीं है मोगीलाल के केवल
मात्र दो पुत्र ही हैं। एवं प्रार्थी एवं विपक्षी सं. 01 की
माता श्रीमती चोधी की मल्लु दिनांक 30.7.15 को
हो चुकी है जिसका भी मल्लु प्रमाण पत्र पंचायती में
खलान है प्रस्तुत फस्तावेज जिसकी तारीख राजस्व
अधिकारी जमावेदी की नकल स्वतंत्र 2011-2012 से होती
है एवं खरपंच ग्राम पंचायत भगवानपुरा द्वारा प्रस्तुत
सजरा, शशन कार्ड आदि हैं। उक्तानुसार प्रार्थी उक्त
आराजियात में हीरालाल पिता मोगीलाल का नाम
विलोपित करवाना चाहता है।

उपरोक्त विवेचन के आधार पर प्रार्थी अपने प्रा.
पत्र को सिद्ध कराने में सफल रहने कारण प्रार्थी
का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाना उचित समझ
ता है। अतः

∴ आदेश ∴

प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर
ग्राम किशनपुरा परिवार दलका आलगास तहसील
माण्डल जिला - भीलवाड़ा के बवाता खोरखा 134
में आराज्या सं. 340 रकबा 01 बीघा 03 बिस्वा

उपखण्ड अधिकारी
मांडल जिला

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही नय इतिहास. जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
	<p>आराजी नं. 341 रकबा 01 बीघा 08 बिस्वा, आराजी नं. 342 रकबा 19 बिस्वा, आराजी नं. 343 रकबा 09 बिस्वा, आराजी नं. 344 रकबा 06 बिस्वा, आराजी नं. 345 रकबा 05 बिस्वा, आराजी नं. 346 रकबा 01 बीघा कुल किता 07 कुल रकबा 05 बीघा 10 बिस्वा ग्राम के राजस्वरिकार्ड मेसे हिरालाल पिता मांगीलाल का माम विलोपित किये जाने का आदेश दिया जाता है। तहसीलदार मांडल उपरानुसार राजस्व रेकार्ड मे अमल दरामद का पालना हेतु निर्णय की प्रति तहसीलदार मांडल को भिजवाते हुए लिखा जावे।</p> <p>पञ्जाबी फैसल नुमार की जाकर दफ्तर दाखिल है।</p>	

8
उपखण्ड अधिकारी
मांडल जिला भीलवाड़ा